भारत की जीत के बाद कन्कशन सब को लेकर बटलर ने उठाए सवाल

पुणे

भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए चौथे टी20 मुकाबले में भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे के कन्कशन सब्स्टीट्यूट के रूप में हर्षित राणा के मैदान में उतरने पर इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने नाराजगी जताई है। बटलर का कहना है कि यह लाइक-फॉर-लाइक रिप्लेसमेंट नहीं था और उन्हें इस फैसले से ऐतराज है।

शुक्रवार को खेले गए इस मुकाबले में भारत ने 15 रनों से जीत दर्ज कर पांच मैचों की श्रृंखला में 3-1 की अजेय बढ़त बना ली। दुबे ने छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 53 रनों की तेजतर्रार पारी खेली और अंतिम गेंद पर रन आउट हुए। हालांकि, इससे एक गेंद पहले उनके हेलमेट पर बॉल लगी थी, जिसके चलते वह इंग्लैंड की पारी के दौरान फील्डिंग के लिए नहीं उतरे। उनकी जगह भारत ने हर्षित राणा को कन्कशन सब्स्टीट्यूट के रूप में उतारा, जिन्होंने तीन विकेट लेकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई।

बटलर ने जताई आपत्ति

मैच के बाद जोस बटलर ने कहा, या तो शिवम दुबे ने 25 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी है या हर्षित ने अपनी बल्लेबाजी में जबरदस्त सुधार कर लिया है। यह हमें लाइक-फॉर-लाइक प्रतिस्थापन नहीं लगता और हम इससे सहमत नहीं हैं।

बटलर ने आगे कहा कि उन्हें इस फैसले से पहले कोई जानकारी नहीं दी गई थी। हमसे कोई परामर्श नहीं हुआ। जब मैं बल्लेबाजी करने आया, तो मैंने पूछा कि हर्षित किसके लिए खेल रहे हैं, तब मुझे बताया गया कि वह कन्कशन रिप्लेसमेंट हैं। यह स्पष्ट रूप से एक जैसा प्रतिस्थापन नहीं था। अंपायरों ने कहा कि यह निर्णय मैच रेफरी ने लिया है, इसलिए हमें इसमें कोई राय देने का मौका नहीं मिला।

क्या कहता है नियम

आईसीसी के नियमों के मुताबिक, कन्कशन सब्स्टीट्यूट को मैच रेफरी की मंजूरी जरूरी होती है और आमतौर पर यह समान कौशल वाला खिलाड़ी होना चाहिए, जिससे टीम को कोई अतिरिक्त लाभ न मिले। हालांकि, अंतिम निर्णय मैच रेफरी का ही होता है।

शिवम दुबे बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं, जबकि हर्षित राणा दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी की बात करें तो दोनों दाएं हाथ से गेंदबाजी करते हैं। लेकिन इंग्लैंड की टीम को लगता है कि हर्षित राणा की मौजूदगी से भारत को अतिरिक्त फायदा हुआ। बटलर ने कहा, हमें इस मामले पर स्पष्टता चाहिए। यह पूरी तरह से मैच हारने की वजह नहीं है, लेकिन हम इस पर जवाब मांगेंगे। अब दोनों टीमें रविवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में पांचवें और अंतिम टी20 मुकाबले मेंआमने-सामने होंगी।

न्यूज ब्रीफ

उत्तराखंड की पुरुष और महिला बैडमिंटन टीमें राष्ट्रीय खेल 2025 के फाइनल में पहुंचीं

देहरादून। उत्तराखंड की पुरुष और महिला बैडमिंटन टीमों ने 38वें राष्ट्रीय खेल 2025 के फाइनल में प्रवेश कर राज्य के लिए दो पदक सुनिश्चित कर लिए हैं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ उत्तराखंड भारतीय बैडमिंटन में एक उभरती हुई शक्ति के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। शुक्रवार को देहरादून के मेन लोकेशन कोर्ट 1 पर खेले गए रोमांचक मुकाबले में उत्तराखंड की पुरुष टीम ने राजस्थान को 3-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। इस जीत में चिराग सेन, चयनित जोशी, ध्रुव रावत और ध्रुव नेगी ने अहम भूमिका निभाई। राजस्थान ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन अंततः उत्तराखंड की टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। महिला टीम ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया और असम को मात देकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। मैच के दौरान असम की ईशारानी बरुआ ने उत्तराखंड की स्नेहा राजावत को 21-10, 21-8 से हराया, लेकिन इसके बाद अदिति भट्ट ने शानदार वापसी करते हुए शांतिप्रिया हजारिका को 16-21, 21-12, 21-13 से हराकर उत्तराखंड को निर्णायक जीत दिलाई। इस ऐतिहासिक सफलता के साथ उत्तराखंड को कम से कम दो रजत पदक मिलना तय हो गया है, लेकिन राज्य के खिलाड़ी स्वर्ण पदक के लिए पूरी ताकत झोंकने को तैयार हैं।

38वें राष्ट्रीय खेलः दिनेश कुमार और मुस्कान गुप्ता ने रोड साइक्लिंग में जीते स्वर्ण पदक

रुद्रपुर। 38वें राष्ट्रीय खेलों के तहत रोड साइक्लिंग प्रतियोगिता में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जहां दिनेश कुमार और मुस्कान गुप्ता ने मास स्टार्ट स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। दिनेश कुमार का 120 किमी मास स्टार्ट में दबदबा सर्विसेज के दिनेश कुमार ने पुरुषों की 120 किमी मास स्टार्ट स्पर्धा में 02:48:28.509 के समय के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनके टीम साथी साहिल कुमार ने 02:48:28.730 के समय के साथ रजत पदक जीता, जबकि तेलंगाना के आशिर्वाद सक्सेना ने 02:48:39.029 के समय के साथ कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। जीत के बाद दिनेश ने कहा, यह जीत मेरे कोच को समर्पित है। यह हमारी कड़ी मेहनत और समर्पण का नतीजा है, महिलाओं की 60 किमी मास स्टार्ट में मुस्कान गुप्ता का स्वर्णिम प्रदर्शन गुजरात की मुस्कान गुप्ता ने महिलाओं की 60 किमी मास स्टार्ट स्पर्धा में 01:45:10.512 के समय के साथ स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। महाराष्ट्र की पूजा बाबन दानोले ने 01:45:10.590 के समय के साथ रजत पदक जीता, जबकि ओडिशा की स्वाति सिंह ने 01:45:10.769 के समय के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

रणजी ट्रॉफी के आखिरी मुकाबले में भी नहीं दिखा बिहार का दम, 169 रनों से मिली हार

पटना। रणजी ट्रॉफी में बिहार का आखिरी मुकाबला चार दिनों की बजाए दो दिनों में खत्म हो गया और बिहार को एक पारी और 169 रनों से हार का सामना करना पड़ा। केरल के स्पोर्ट्स हब इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए केरल बनाम बिहार के इस मैच में बिहार की टीम दोनों पारियों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। बिहार को इस बार एक भी जीत हासिल नहीं हुई। बंगाल के साथ मैच रद्द होने की वजह से एक पॉइंट मिला था। 30 जनवरी से मेजबान केरल के साथ खेलने के लिए बिहार की टीम मैदान में उतरी। इस मुकाबले में केरल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और अपनी पहली पारी में 101.2 ओवर में 351 रन बनाए। पहले दिन केरल ने बल्लेबाजी की और दूसरे दिन के शुरुआती घंटों में भी केरल के आखिरी जोड़ी मैदान पर टिकी थी। टीम के लिए सलमान निज़ार ने सबसे ज्यादा 150 रन ठोके, जबकि शॉन रोजर ने 59, आकाश चंद्रन ने 38 और निधीश एमडी ने 30 रन बनाए। इसके अलावा, अन्य बल्लेबाजों का योगदान सीमित रहा, लेकिन टीम मजबूत स्कोर बनाने में सफल रही। वहीं, बिहार के गेंदबाजों ने अनुशासित गेंदबाजी की और नियमित अंतराल पर विकेट चटकाए। सचिन कुमार, गुलाम रब्बानी और हर्ष विक्रम ने 2-2 विकेट लिए जबकि वीर प्रताप सिंह, अभिषेक, एस. गनी और वाई पी यादव ने 1-1 विकेट चटकाए। बिहार की बल्लेबाजी इस मुकाबले में उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। पहली पारी की बल्लेबाजी करने उतरी बिहार की टीम महज 64 रन पर सिमट गई, जिसमें श्रमण निग्रोध ने 21, आयुष लोहरुका ने 13 और गुलाम रब्बानी ने 10 रन बनाए।

राष्ट्रीय खेल भारोत्तोलन (राउंडअप दूसरा दिन) : मणिपुर पदक तालिका में सबसे आगे, बिंद्यारानी और एन अजित चमके

देहरादून

राष्ट्रीय खेलों में भारोत्तोलन के दूसरे दिन पांच श्रेणियों में रोमांचक प्रदर्शन, रिकॉर्ड-ब्रेकिंग लिफ्ट और गहन प्रतिस्पर्धा देखी गई। स्टार भारोत्तोलक अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप प्रदर्शन करते रहे, जबकि उभरती प्रतिभाओं ने राष्ट्रीय मंच पर अपनी छाप छोड़ी।

महिला 55 किग्राः बिंद्यारानी देवी ने रचा इतिहास

मणिपुर की एस बिंद्यारानी देवी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्नैच वर्ग में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। 83 किग्रा में पहले असफल प्रयास के बाद, उन्होंने अपने अंतिम प्रयास में 88 किग्रा वजन उठाया। राष्ट्रमंडल रजत पदक विजेता ने क्लीन एवं जर्क में अपना प्रदर्शन जारी रखा और अपने पहले प्रयास में सफलतापूर्वक 107 किग्रा वजन उठाया लेकिन 112 किग्रा में असफल रहीं। उसने 113 किग्रा वजन उठाने के लिए जोरदार वापसी की और कुल 201 किग्रा वजन उठाया - जो उसके अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड से केवल एक किलोग्राम कम था। इस जीत के साथ, अब उनके पास महिलाओं के 55 किग्रा वर्ग में सभी तीन राष्ट्रीय रिकॉर्ड (स्नैच, क्लीन एंड जर्क और कुल) हैं, जिससे यह उनके लिए एक यादगार राष्ट्रीय खेल बन गया है।

बंगाल की शरबानी दास ने कुल 187 किग्रा के साथ रजत पदक हासिल किया, जबकि मणिपुर की एल नीलम देवी ने कुल 182 किग्रा के साथ कांस्य पदक जीता।

पुरुष 67 किग्राः नीलम राजू हावी

आंध्र प्रदेश के के. नीलम राजू ने कुल 289 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक हासिल किया। 124 किग्रा के अपने पहले स्नैच प्रयास में असफल होने के बावजूद, उन्होंने 128 किग्रा भार उठाया। 154 किग्रा, 158 किग्रा और 161 किग्रा के सफल भार के साथ उनका क्लीन एंड जर्क प्रदर्शन त्रुटिहीन था।

अरुणाचल प्रदेश के मार्कियो तारियो ने कुल 283 किग्रा भार उठाकर रजत पदक जीता, जबकि असम के सिद्धांत गोगोई ने 123 किग्रा के सर्वश्रेष्ठ स्नैच और 158 किग्रा के क्लीन एंड जर्क भार के साथ कांस्य पदक जीता।

महिला 59 किग्राः रीमा भोई ने स्वर्ण पदक जीता

ओडिशा की रीमा भोई ने महिलाओं के 59 किग्रा वर्ग में कुल 189 किग्रा वजन उठाकर दबदबा बनाया। अपने अंतिम प्रयास को छोड़ने से पहले उन्होंने स्नैच में 84 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 105 किग्रा वजन दर्ज किया।

हरियाणा की स्नेहा ने कुल 187 किग्रा वजन उठाकर रजत पदक जीता, जबकि अरुणाचल प्रदेश की बालो यालम ने इतने ही कुल वजन के साथ कांस्य पदक जीता। कुल वजन में सबसे पहले पहुंचने पर स्नेहा को रजत पदक दिया गया।

पुरुषों का 73 किग्राः एन अजित ने राष्ट्रीय खेलों की हैट्रिक पूरी की

राष्ट्रमंडल स्वर्ण पदक विजेता एन अजित ने भारोत्तोलन में अपना दबदबा जारी रखते हुए लगातार तीसरा राष्ट्रीय खेलों का स्वर्ण पदक जीता। 136 किग्रा में शुरुआती विफलता के बाद उन्होंने स्नैच में 140 किग्रा वजन उठाया। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने जीत सुनिश्चित करने के लिए 166 किग्रा से मजबूत शुरुआत की।

हरियाणा के दीपक लाठेर ने अजित को सीमा तक धकेल दिया, स्नैच वर्ग के बाद 141 किग्रा भार उठाकर आगे रहे। हालाँकि, उन्हें क्लीन एंड जर्क में संघर्ष करना पड़ा और कुल 301 किग्रा के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के लालहुनथारा ने अपने अंतिम प्रयास में नाटकीय रूप से 167 किग्रा वजन उठाकर कुल 293 किग्रा वजन उठाकर कांस्य पदक जीता।

महिला 64 किग्राः निरुमपा देवी की जीत

राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता मणिपुर की निरुमपा देवी ने कुल 209 किग्रा के साथ स्वर्ण पदक जीतने के लिए असाधारण प्रदर्शन किया। उन्होंने स्नैच में 91 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 118 किग्रा वजन दर्ज किया। असम की दितिमोनी सोनोवाल कुल 208 किग्रा वजन उठाकर करीब आईं, जबकि मणिपुर की रोशिलता देवी ने 196 किग्रा के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

भारतीय नौसेना 2 फरवरी को नई दिल्ली में पहली इंडियन नेवी हाफ मैराथन आयोजित करेगी

नई दिल्ली

भारतीय नौसेना 2 फरवरी को राजधानी नई दिल्ली में इंडियन नेवी हाफ मैराथन (आईएनएचएम) के उद्घाटन संस्करण की मेजबानी करने जा रही है। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से शुरू होने वाली इस मैराथन में 21.1 किमी, 10 किमी और 5 किमी की तीन श्रेणियों में दस हजार से अधिक धावकों के भाग लेने की उम्मीद है। इस ऐतिहासिक आयोजन को आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

प्रतियोगिता का मार्ग देश की राजधानी के प्रतिष्ठित स्थलों से होकर गुजरेगा, जिसमें कर्तव्य पथ और इंडिया गेट शामिल हैं। इसका उद्घाटन केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री मनसुख मंडाविया द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया जाएगा। इसके अलावा इसमें सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारी, प्रतिष्ठित हस्तियां, नागरिक अतिथि और प्रसिद्ध खिलाड़ी भी भाग लेंगे।

धावकों के लिए द इंडियन नेवी स्लैम सम्मान

भारतीय नौसेना ने इस मैराथन के तहत द इंडियन नेवी स्लैम की घोषणा की है, जो उन प्रतिभागियों को मिलेगा जो कोच्चि, विशाखापत्तनम, मुंबई और नई दिल्ली में नौसेना द्वारा आयोजित सभी चार दौड़ पूरी करेंगे। यह पुरस्कार नौसेना की अनुशासन और दृढ़ संकल्प की भावना को दर्शाता है।

इंडियन ऑयल सहित कई एजेंसियों का समर्थन

इस कार्यक्रम को इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने सहयोगी भागीदार के रूप में समर्थन दिया है, जबकि दिल्ली पुलिस और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद भी आयोजन की सफलता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

महिला एशेज

मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड महिला एशेज, एकमात्र टेस्ट के दूसरे दिन बेथ मूनी तीनों फॉर्मेट में शतक बनाने वाली चौथी महिला बनीं।

अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप: आईसीसी ने फाइनल के लिए की मैच अधिकारियों की घोषणा

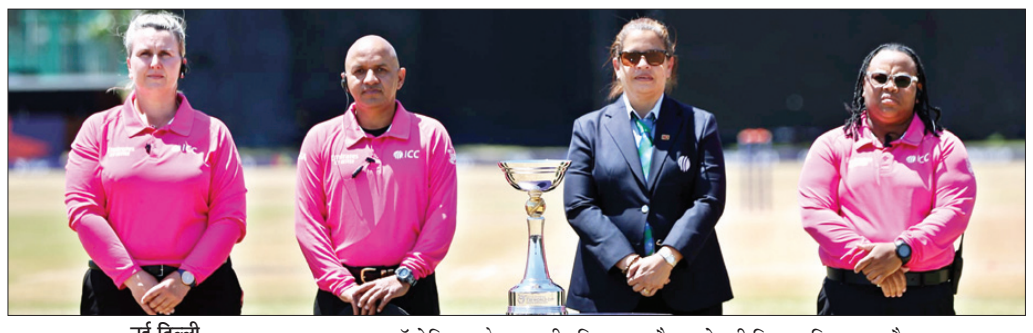

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जाने वाले आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप 2025 के फाइनल के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है।

ऑस्ट्रेलिया के एशली गिबन्स और नीदरलैंड के नितिन बाथी को कुआलालंपुर के बायुमास ओवल में होने वाले इस महत्वपूर्ण मुकाबले के लिए मैदानी अंपायर नियुक्त किया गया है। गिबन्स ने इंग्लैंड के खिलाफ भारत की सेमीफाइनल जीत में ऑन-फील्ड अंपायरिंग की थी, जबकि बाथी दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच सेमीफाइनल मैच में अंपायरिंग कर चुके हैं। आयरलैंड के एडन सीवर तीसरे अंपायर की भूमिका निभाएंगे, जबकि चौथे अंपायर के रूप में जिम्बाब्वे के फोर्स्टर मुतिज़्वा को जिम्मेदारी दी गई है। इस मुकाबले के लिए डेविड गिल्बर्ट को मैच रेफरी नियुक्त किया गया है।

फाइनल मुकाबले के लिए नियुक्त मैच अधिकारी:

फील्ड अंपायर: एशली गिबन्स, नितिन बाथी

तीसरा अंपायर: एडन सीवर

चौथा अंपायर: फोर्स्टर मुतिज़्वा

मैच रेफरी: डेविड गिल्बर्ट

भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमें पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में आमने-सामने होंगी, जिससे क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह मुकाबला रोमांचक होने की उम्मीद है।

ओमान दौरे के लिए एंड्रीज़ गौस, स्टीवन टेलर और अली खान की अमेरिकी टीम में वापसी

न्यूयॉर्क

अमेरिका क्रिकेट टीम ने ओमान के खिलाफ आगामी सफेद गेंद श्रृंखला के लिए अपनी वनडे और टी20ई टीमों की घोषणा कर दी है। 31 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज एंड्रीज़ गौस की वनडे और टी20ई दोनों टीमों में वापसी हुई है, हालांकि उनकी उपलब्धता पर संदेह बना हुआ है क्योंकि वह अभी आईएलटी20 में अबू धाबी नाइट राइडर्स का हिस्सा हैं।

इसी तरह, हरमीत सिंह (शारजाह वारियर्स) और नोश्थुश केनजिगे (एमआई अमीरात) की भी लीग प्रतिबद्धताओं के कारण समय पर टीम से जुड़ने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। इस स्थिति में युवा लेग स्पिनर यासिर मोहम्मद को

प्लेइंग इलेवन में मौका मिलने की संभावना है, जिन्हें पिछले तीनों यूएसए दौरों में अधिकतर बेंच पर रहना पड़ा था। टी20 टीम में अनुभवी ऑलराउंडर स्टीवन टेलर की वापसी हुई है। चोटों और खराब फॉर्म के कारण उन्हें अगस्त में नीदरलैंड दौरे के बाद बाहर कर दिया गया था, लेकिन हाल ही में छोटी लीगों में शानदार प्रदर्शन और दो शतकों के कारण उन्होंने फिर से टीम में जगह बना ली। ऑलराउंडर अली शेख को भी राष्ट्रीय 50 ओवर चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन के बाद टी20ई टीम में जगह दी गई है। वह तीन साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। टी20ई टीम में एक और नया चेहरा स्टीफन वाइग होंगे, जो बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं। वह सौरभ नेत्रवलकर की जगह लेंगे, जो वनडे श्रृंखला के बाद स्वदेश लौटेंगे। टीम में विकेटकीपर-बल्लेबाज स्मित पटेल की वापसी हुई है, जबकि मिलिंद कुमार टी20 टीम से बाहर हो गए हैं। हालांकि, वनडे में उनके बेहतरीन प्रदर्शन (औसत 52) को देखते हुए वह वनडे टीम में बरकरार हैं।

अमेरिकी टीम इस प्रकार है:

वनडे टीम: मोनांक पटेल (कप्तान), एंड्रीज़ गौस, आरोन जोन्स, मिलिंद कुमार, स्मित पटेल, शायन जहांगीर, सैतेजा मुक्कमल्ला, संजय कृष्णमूर्ति, हरमीत सिंह, नोश्थुश केनजिगे, यासिर मोहम्मद, जेसी सिंह, शैडली वैन शल्कविक, जुआनॉय ड्रायसडेल, सौरभ नेत्रवलकर।

टी20ई टीम: मोनांक पटेल (कप्तान), एंड्रीज़ गौस, आरोन जोन्स, अली शेख, स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर, सैतेजा मुक्कमल्ला, संजय कृष्णमूर्ति, हरमीत सिंह, नोश्थुश केनजिगे, यासिर मोहम्मद, जेसी सिंह, अली खान, जुआनॉय ड्रायस्डेल, स्टीफन वाइग।

पहला वनडे 8 फरवरी को खेला जाएगा, लेकिन गौस, हरमीत और केनजिगे के समय पर टीम में शामिल होने को लेकर संशय बना हुआ है।